Department of Prakrit and Sanskrit

Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

According to NEP - 2020

Choice Based Credit System Syllabus

M.A. in Prakrit

(From the Academic Year 2025-2027)

Approved by B.O.S. in Prakrit

सेमेस्टर – प्रथम

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major **अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)**					
MPKT 101MJ	प्राकृत व्याकरण (सिद्धहैमशब्दानुशासन)	100	70	30	4
MPKT 102MJ	अर्द्धमागधी प्राकृत आगम साहित्य	100	70	30	4
MPKT 103MJ	प्राकृत साहित्य का इतिहास एवं भाषा विज्ञान	100	70	30	4
Subject Minor **अनिवार्य–पत्र (Core Compulsory Course)**					
MPKT 101MN	प्राकृत अभिलेख	100	70	30	4
Value Added (IKS nature)					
MJVB101VA	Value Education and Spirituality	100	70	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**350**	**150**	**20**

सेमेस्टर – द्वितीय

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major **अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)**					
MPKT201MJ	प्राकृत मुक्तक एवं लाक्षणिक साहित्य	100	70	30	4
MPKT202MJ	प्राकृत रूपक साहित्य	100	70	30	4

MPKT203MJ	प्राकृत कथा एवं चम्पू साहित्य	100	70	30	4
	Subject Minor **अनिवार्य–पत्र (Core Compulsory Course)**				
MPKT201MN	अपभ्रंश चरिउ साहित्य	100	70	30	4
Skill Enhancement Course (Choose any one)					
MPKT201SE	पाण्डुलिपि विज्ञान : पठन–विधि, पाठ–सम्पादन एवं अनुवाद अथवा	100	70	30	4
MJVB201SE	Information Technology and Computer अथवा				
MJVB202SE	Astrology and Vastu अथवा				
MJVB203SE	Choose any Course from MOOC's related to Skill Enhancement				
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**350**	**150**	**20**

सेमेस्टर – तृतीय

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए. टर्म पेपर	क्रेडिट
Subject Major **अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)**					
MPKT301MJ	शौरसैनी प्राकृत साहित्य	100	70	30	4
MPKT302MJ	प्राकृत आचारपरक साहित्य	100	70	30	4
MPKT303MJ	प्राकृतागम व्याख्या साहित्य	100	70	30	4
Inter disciplinary (Choose Any One from different course of self Subject)					
MJVB301MD	Preksha Meditation and Self Management or	100	70	30	4
MJVB302MD	Introduction to Sanskrit or				
MJVB303MD	Introduction to Prakrit or				
MJVB304MD	The Uses of English or				

MJVB305MD MJVB306MD MJVB307MD	Non-violence and Peace or Introduction to Political Science **or** Introduction to Jainism				
Introductory **अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)**					
MJVB301RP	शोध प्रविधि	100	70	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**350**	**150**	**20**

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major **अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)**					
MPKT401MJ	प्राकृत चरित एवं काव्य साहित्य	100	70	30	4
Research (Core Elective) Choose any one					
MJVB401RP MJVB402RP	Review of Literature or Formulation of Research Proposal	100	70	30	4
Research (Core Elective) Choose any One					
MJVB403RP MJVB404RP	Publication of Article in Refereed Journal or Paper Presentation in National/International Seminar/Conference	100	70	30	4
Research (Core Compulsory)					
MJVB405RP	Dissertation	100	70 Dissertation	30	4
MJVB406RP	Preparation & Viva Voice	100	70 Preparation 30+ Viva Voice 40)	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**380**	**120**	**20**
	अंक एवं क्रेडिट का महायोग	**2000**	**1430**	**570**	**80**

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MPKT101MJ : प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासन)
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. प्राकृत व्याकरण के विषय की विशदता, स्पष्टता एवं शैली की सुबोधता से अवगत करवाया जायेगा।
2. सूत्रों के माध्यम से प्राकृत भाषा का ज्ञान होगा।
3. सूत्रों के माध्यम से प्राकृत के विशिष्ट नियमों का ज्ञान होगा।
4. प्राकृत व संस्कृत के नियमों में अन्तर का ज्ञान होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

सिद्धहेमशब्दानुशासन (अष्टम अध्याय, प्रथम पाद)– 01–90 सूत्र

इकाई–2:

सिद्धहेमशब्दानुशासन (अष्टम अध्याय, प्रथम पाद)– 91–180 सूत्र

इकाई–3:

सिद्धहेमशब्दानुशासन (अष्टम अध्याय, प्रथम पाद) 181–271 सूत्र

इकाई–4:

सिद्धहेमशब्दानुशासन (अष्टम अध्याय, तृतीय पाद) शौरसेनी, मागधी एवं पैशाची के सूत्र

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. प्राकृत व्याकरण– आ. हेमचन्द्र, सं. के.वी. आप्टे, प्रकाशक : चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1995

2. प्राकृत व्याकरण– आ. हेमचन्द्र, प्रकाशक आचार्य श्री आत्माराम जैन मॉडल स्कूल, कमला नगर, देहली

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MPKT102MJ : अर्द्धमागधी आगम साहित्य
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. अर्द्धमागधी आगमों की भाषा शैली से परिचय होगा।
2. सावध एवं निरवद्य भाषा के प्रयोगों से अवगत करवाया जायेगा।
3. तात्कालीन समाज एवं संस्कृति, जैसे क्रियाकाण्ड, दान की महिमा आदि का ज्ञान होगा।
4. आचार शास्त्रीय तथ्यों से परिचित होंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: आयारो–प्रथम श्रुतस्कन्ध : अध्याय 1 (उद्देशक प्रथम एवं द्वितीय)

इकाई–2: आयारो–प्रथम श्रुतस्कन्ध : अध्याय 9

इकाई–3: उत्तरज्झयणाणि–अध्ययन 1, 9 व 11

इकाई–4: दसवेआलियं–अध्याय 1, 2, 3, 4

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

आचारांगभाष्यम्– वा.प्र.आ.तुलसी, भाष्यकार आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं

उत्तरज्झयणाणि– वा.प्र.आ.तुलसी, सं. युवा महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

उत्तराध्ययनसूत्र, हिन्दी अनुवादक : आचार्यश्री सुभद्र मुनि, मुनि मायाराम सम्बोधि प्रकाशन, पीतमपुरा, दिल्ली

दसवेआलियं–वा. प्रमुख, आ. तुलसी, सं. युवा महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

श्रीदशवैकालिकसूत्र (बालोपयोगी संस्करण), सम्पादक : आचार्यश्री सुभद्र मुनि, प्रकाशक–मुनि मायाराम सम्बोधि प्रकाशन, पीतमपुरा, दिल्ली

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–प्रथम

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MPKT103MJ : प्राकृत साहित्य का इतिहास एवं भाषा विज्ञान

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. प्राचीन भाषा का परिचय प्राप्त होगा।
2. प्राकृत साहित्य का परिचय प्राप्त होगा।
3. भाषा विज्ञान के प्रमुख तत्त्वों का ज्ञान होगा।
4. प्राकृत भाषा के विभिन्न तत्त्वों का ज्ञान होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: प्राकृत भाषा का इतिहास

प्राकृत भाषा का उद्भव एवं विकास, प्राकृत जन बोली एवं भाषा का स्वरूप।

प्राकृत भाषा के भेद–प्रभेद, संस्कृत एवं प्राकृत भाषाओं का अन्तःसंबंध।

इकाई–2: प्राकृत साहित्य का इतिहास

प्राकृत आगम साहित्य का इतिहास, प्राकृत चरित काव्य का इतिहास।

प्राकृत महाकाव्यों का इतिहास, प्राकृत कथा साहित्य का इतिहास

इकाई–3: भाषाविज्ञान एवं उसका सामान्य परिचय

भाषा एवं भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं महत्त्व, भाषाविज्ञान की शाखाएं एवं भाषा में परिवर्तन की दिशाएं

इकाई–4: प्राकृत भाषाविज्ञान

समीकरण, विषमीकरण, घोषीकरण, अघोषीकरण, अल्पप्राणीकरण, महाप्राणीकरण, ऊष्मीकरण, कण्ठ्यीकरण, तालव्यीकरण, मूर्धन्यीकरण, दन्त्यकरण, ओष्ठ्यीकरण, अनुस्वार एवं अनुनासिक, स्वराघात, बलाघात, आगम लोप, विकार, विपर्यय, स्वरभक्ति, अपश्रुति, य–श्रुति।

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. प्राकृत स्वयं शिक्षक– प्रो. प्रेमसुमन जैन, राजस्थान प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 1979
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी, 2014
3. प्राकृत साहित्य का इतिहास– डॉ. जगदीशचंद जैन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1961
4. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1997

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य पत्र (MINOR COURSE)
MPKT 101MN : प्राकृत अभिलेख
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. लिपि और भाषा में क्या अन्तर है, स्पष्ट हुआ।
2. प्राचीन अभिलेखों की भाषा का सम्यक् ज्ञान हुआ।
3. प्राचीन अभिलेखों से विशेष रूप से धार्मिक एवं राजनैतिक तत्त्वों का ज्ञान हुआ।
4. सम्राट अशोक एवं खारवेल के शासनकाल का विशिष्ट ज्ञान।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

ब्राह्मी एवं खरोष्ठी लिपि का विकास, प्राचीन अभिलेख साहित्य का क्रमिक विकास

इकाई–2:

प्राकृत अभिलेखों का अध्ययन–अशोक के सप्तम अभिलेख (गिरनार, शहबाजगढी और धौली)

इकाई–3:

कक्कुट का घटियाल अभिलेख

इकाई–4:

हाथीगुम्फा अभिलेख

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested & Reference Books) :

1. अशोक के अभिलेख– डॉ. राजबली पांडेय, ज्ञानमंडल लि. वाराणसी, सं. 2022

2. भारतीय प्राचीन लिपि माला– द्वितीय संस्करण, पंडित गौरीशंकर, हीराचन्द ओझा, स्कोटिस मिशन, इन्डस्ट्रीज प्रेस, अजमेर, 1918 ई.

3. प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख– परमेश्वरी लाल गुप्त, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1970ई.

4. प्राचीन भारतीय अभिलेख संग्रह– श्रीराम गोयल, खण्ड 1, राजस्थान हिन्दी अकादमी, जयपुर, 1982ई.

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–प्रथम

अनिवार्य पत्र (VALUE ADDED COURSE)

MJVB101VA: जैन संस्कृति एवं जीवनमूल्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Students understand the need of value oriented education
2. Students understand the process of contemplation for value development.
3. Students understand the non-violence and culture of peace.
4. Students understand the cardinal principles of Jainism

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

इकाई–1 जैन इतिहास और संस्कृति

- जैन धर्म और उसकी प्राचीनता
- कालचक्र
- गवान् ऋष और महावीर
- जैन धर्म के मुख्य सम्प्रदाय
- जैन साहित्य और कला
- जैन संस्कृति की विशेषताएँ

इकाई–2 जैन आचार मीमांसा तत्त्व मीमांसा

- जैन आचार का आधार और स्वरूप
- त्रिरत्न (रत्नत्रय)
- श्रमणाचार–श्रावकाचार
- जैन जीवनशैली
- नव तत्त्व
- छः द्रव्य
- लोकवाद

इकाई–3 जीवन विज्ञान और मूल्य विकास

- जीवन विज्ञान शिक्षा का नया आयाम
- जीवन विज्ञान के सात अंग
- जीवन विज्ञान और मूल्य विकास
- अहिंसा और अहिंसा प्रशिक्षण
- अनेकान्त और जीवन व्यवहार
- अणुव्रत आन्दोलन और नैतिकता

इकाई–4 प्रेक्षाध्यान और प्रबन्धन

- प्रेक्षाध्यान स्वरूप और उद्देश्य
- समय–प्रबन्धन
- लक्ष्य–प्रबन्धन
- स्वास्थ्य–प्रबन्धन
- तनावमुक्ति–प्रबन्धन
- नशामुक्ति–प्रबन्धन
- कशायमुक्ति–प्रबन्धन

SUGGESTED READING

- जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्यए डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञाए जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
- Devatma' Value Education: 4 supplements to present education. Arora K. NCET, New Delhi 1999.
- Values and Ethics in School Education, Luther, M. (2001) New Delhi Mc Grow Hill.
- Value Development in Higher Education, Mukhopadhya M. (Eds.) 2004)
- Human Values and Education-Rahul, S.P. (1986) Sterling New Delhi.
- Education in Human Values. Saraf (1999) Vikash Publication, New Delhi.
- Value Education: Theory and Practice, Dr. N.L. Gupta, Krishna Brothers, Ajmer, 1986.
- जैन धर्ममेंअहिंसा, वशिष्ठनारायण सिंहा, वाराणसी।
- जैनदर्शनमननऔरमीमांसा–आचार्यमहाप्रज्ञ, आदर्शसाहित्य संघ, चूरू।

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MPKT201MJ : प्राकृत मुक्तक एवं लाक्षणिक साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. मुक्तक एवं लाक्षणिक साहित्य की विषय–वस्तु एवं शैली से अवगत हुए।
2. अलंकार एवं कोशशास्त्र का ज्ञान हुआ
3. प्राकृत वैयाकरण एवं छन्दशास्त्र का परिचय प्राप्त हुआ
4. गाथासप्तशति का परिचय प्राप्त हुआ

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

अलंकार शास्त्र एवं कोशशास्त्र

इकाई–2:

प्राकृत वैयाकरण एवं उनके ग्रंथ

इकाई–3:

छन्दशास्त्र एवं प्राकृत और अपभ्रंश के प्रमुख छन्दों का सोदाहरण लक्षण (प्राकृत छन्द–गाहा, विग्गाहा, दोहा, रोला, अपभ्रंश छन्द–घत्ता, पज्झडिया, चउपाइया, कडवक)

इकाई–4:

गाथा सप्तशती, प्रथम शतक, गाथा–1–50

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. गाथा सप्तशती– (हालकृत), टीका–भट्ट मथुरादास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास– डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी, 1966
4. प्राकृत पैंगलम्– भा. 1/2 सं. भोलाशंकर व्यास, प्रकाशिका, प्राकृत ग्रंथ परिषद्, अहमदाबाद

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MPKT202MJ : प्राकृत रूपक साहित्य
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. मृच्छकटिकम एवं कर्पूरमंजरी की विषय वस्तु का ज्ञान
2. तात्कालीन समय में बोली जाने वाले विविध प्राकृत भाषाओं का ज्ञान हुआ।
3. उस समय के सामाजिक, राजनैतिक सांस्कृतिक तथ्यों का विशेष ज्ञान हुआ।
4. प्रकरण एवं सट्टक आदि में क्या–क्या विशेषताएं हैं, इनका विशेष अवबोध हुआ।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

मृच्छकटिकम् अंक–1 व 2 (केवल प्राकृत अंश)

इकाई–2:

मृच्छकटिकम् अंक–3 व 6 (केवल प्राकृत अंश)

इकाई–3:

कर्पूरमंजरी (राजशेखर विरचित) जवनिका–1

इकाई–4:

कर्पूरमंजरी (राजशेखर विरचित) जवनिका– 2

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. मृच्छकटिकम्– रमाशंकर त्रिपाठी, हिन्दी एवं संस्कृत व्याख्या सहित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1969

2. कर्पूरमंजरी– श्री रामकुमार आचार्य, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 2012

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MPKT203MJ : प्राकृत कथा एवं चम्पू साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. प्राकृत कथा एवं चम्पू साहित्य में ''समराइच्चकहा'' एवं ''कुवलयमालाकहा''का वैशिष्ट्य प्रतिपादित हुआ।
2. कथाओं के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि यदि क्रिया की प्रतिक्रिया होती है तो व्यक्ति इसी जन्म में नहीं अनेक जन्म में परिभ्रमण करता रहता है।
3. कथाओं के भेद–प्रभेदों का ज्ञान होगा।
4. कथा साहित्य की परम्परा का ज्ञान होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

समराइच्चकहा– प्रथम भव

इकाई–2:

समराइच्चकहा– द्वितीय भव

इकाई–3:

कुवलयमालाकहा– गद्यांश 1–6

इकाई–4:

कुवलयमालाकहा– गद्यांश 7–12

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. समराइच्चकहा– आ. हरिभद्र सूरि, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, ई. 1976

2. कुवलयमाला– उद्द्योतनसूरि, भारतीय विद्या भवन, चौपाटी, मुंबई, ई. 2000

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय

अनिवार्य पत्र (MINOR COURSE)

MPKT201MN : अपभ्रंश चरिउ साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. अपभ्रंश चरिउ साहित्य की जानकारी हुई
2. णायकुमारचरिउ का परिचय के साथ उसकी विषय वस्तु की जानकारी
3. पउमचरिउ का परिचय के साथ उसकी विषय वस्तु की जानकारी
4. पुष्पदन्त का परिचय प्राप्त हुआ

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: णायकुमारचरिउ (पुष्पदन्तकृत)– संधि 1, 2

इकाई–2: णायकुमारचरिउ (पुष्पदन्तकृत) – संधि 3

इकाई–3: पउमचरिउ (स्वयंभूकृत) – संधि 21

इकाई–4: पउमचरिउ (स्वयंभूकृत) – संधि 22

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested & Reference Books) :

1. णायकुमारचरिउ–सं. हीरालाल जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1972
2. पउमचरिउ –कविराज स्वयंभूदेवविरचित, अधिष्ठाता, सिंघी जैन शास्त्र शिक्षापीठ, भारतीय विद्याभवन, बम्बई, 1960

Skill Enhancement Course (Choose any one)

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय

ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

MPKT201SE: **पाण्डुलिपि विज्ञान : पठन–विधि, पाठ–सम्पादन एवं अनुवाद**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. पाठ–संपादन विधि की जानकारी
2. अनुवाद–विधि की जानकारी
3. वर्तनी–शुद्धि की जानकारी
4. लिपि–परिचय एवं पाण्डुलिपि पठन की जानकारी

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1 लिपि–परिचय एवं पाण्डुलिपि का सामान्य परिचय

प्रमुख लिपियों का सामान्य परिचय (शारदा, ब्राह्मी, खरोष्ठी) पाण्डुलिपि का सामान्य परिचय, (पाण्डुलिपि का अर्थ एवं परिभाषाएँ, पाण्डुलिपि के भेद–गुहालेख या भित्तिचित्र, मृदा अभिलेख, पेपीरस अभिलेख, काष्ठ–पट्टी अभिलेख, चर्मपत्र या पार्चमेण्ट), पाण्डुलिपि के प्रकार–लिप्यासन के आधार पर, आकार के आधार पर, लेखन शैली के आधार पर, चित्र–सज्जा के आधार पर।

इकाई–2 वर्तनी शुद्धि

अशुद्धि संशोधन के चिन्हों का ज्ञान, सावधानियाँ, विषयवस्तु एवं भाषा का ज्ञान।

इकाई–3 पाठ–सम्पादन

परिचय, सिद्धान्त और अनुप्रयोग, विधियाँ, सावधानियाँ

इकाई–4 अनुवाद–कार्य (संस्कृत–प्राकृत एवं हिन्दी के विशेष सन्दर्भ में)

परिचय, अनुवाद के प्रकार (शब्दनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपान्तरण, व्याख्यानुवाद) अनुवाद के सिद्धान्त समतुल्यता का सिद्धान्त, अर्थ सम्प्रेषण का सिद्धान्त, व्याख्या का सिद्धान्त), अनुवाद के साधन (अनुवादक, शब्दकोश, विषय–विशेषज्ञ, मशीनी उपकरण)।

सन्दर्भ–ग्रन्थः–

1. अनुवाद : अवधारणा और आयाम, सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ, 1998
2. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग, डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
3. Editing, Principles and Practices, Dr. Rabindranath, Regal Publication, New Delhi, 2014
4. सामान्य पाण्डुलिपिविज्ञान, डॉ. महावीरप्रसाद शर्मा, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, राजस्थान, प्रथम संस्करण, 2003
5. सामचार सम्पादन और पृष्ठ–सज्जा, डॉ. रमेश जैन, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर, द्वितीय संस्करण, 1997
6. भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचदश संस्करण, 2016

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय
ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)
MJVB201SE : Information Technology and Computer
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Expose the students to the fundamentals of the IT.

2- Students gain the introductory knowledge of the MS-Windows

3- Practically students able to use MS-PowerPoint, MS-Word, MS-Excel and create their own blog.

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit I: Introduction to Computers and Windows

- Application of Computers
- Block Diagram of Computer
- Input and Output devices
- Types of software
- Introduction to Operating system: Windows
- Functions of operating system
- How you can Fast your Computer or Maintenance of computer

Unit II: Concept of MS Word and MS Excel and its application

- MS Word Window Layout
- Creating and Formatting Documents
- Editing Documents
- Working with Tables.
- Mail Merge, Macro Recording, Thesaurus, Printing Document (How to Use Page-Setup Before Printing)
- Introduction to Excel and its Applications
- Concept of workbook and worksheet
- Layout of Worksheets
- Use of basic formula and functions
- Sorting, Filtering and charts
- Report Generation (Pivot Table)
- Security or Protecting Worksheets

Unit III: Introduction & Application of MS-PowerPoint

- PowerPoint Slide Creation
- Slide Layout
- Views
- Adding content to slide- Text, Graphics, Sound, Video
- Applying Slide Transition
- Custom Animation

- Slide Show
- Working With Image or ClipArt (how you edit clipart image)

Unit IV: Internet

- Introduction to internet
- ISP (Internet Services Providers)
- About Modem, Type of Internet Connection
- Web browser – its functions
- Concept of search engine, What is surfing
- Social Networking site/How to pay online bill/How to book tickets online/How to use Paytm
- Website and its types
- Searching, downloading and uploading
- Basic concepts of sending and receiving E-mail
- Blog uses and creation of blog
- How to Create Simple web page (or Personal web page)

Course Contents (Practical) :

- Creating document in MS-Word like Advertisement, Letter, Tables, Charts etc.
- Creation of Simple Worksheet like Mark sheet, Pay slip using MS-Excel.
- Creation of Power Point Presentation on various themes.

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day-to-day life.
- Students will be able to create well-formatted documents, attractive presentations and calculation part through excel.
- Students will be able to create their own blog.

SUGGESTED READING/Website

1. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
2. http://www.gcflearnfree.org/office
3. Fundamentals of computers (English) Ist Edition by ReemaThareja, Oxford University Press, 2014
4. Introduction to Computer by Peter Norton, Tata McGraw hill
5. Introduction to Computer by Gary B Shelly

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय

ऐच्छिक पत्र **(SKILL ENHANCEMENT COURSE)**

MJVB202SE : **Astrology and Vastu**

क्रेडिट–4

Course Outcomes

- It will Create an interest in Indian Astrology
- It will usefull for the knowledge of TrediationalArchitecht
- It will usefull for daily life
- Students will acquise a fundamental outlook about their life and future

Unit-I : Back Ground of the Knowledge of Panchang

- Knowledge of Tithi
- Knowledge of var
- Knowledge of Naxatra
- Knowledge of Yoga
- Knowledge of Karan
- Knowledge of Dinman&Ratrimaan
- Knowledge of Time of Sunrise & Sunset

Unit-II :Basic Knowledge of Muhoort

- Muhoort about Marrige
- Muhoort about Business
- Muhoort about Vastushanti
- Muhoort about Grahshanti
- Muhoort about Vidyarambh
- Muhoort about Griharambh
- Muhoort about Grihpravesh

Unit-III :Basic Knowledge of Horoscope

- Introduction of Horoscope
- How to make Herosewpe
- Knowledge of 12 Bhavs
- Knowledge of Rashi's
- Knowledge of Graha's
- Knowledge of Sequence of Rashi's&Graha's

Unit-IV :Basic Knowledge of Vastu

- Knowledge of Utility of Eirth
- Examine of Eirth

- Knowledge of Khat-Chakra
- Knowledge of Plots and DeisionForUtilise
- Knowledge of Prakoshtha's
- Knowledge of Vedh's
- Deision of Build Aria

Text Books

- BrihadAvkahadaChakram- GauriNathShastri, ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi
- PanchangVigyanam – Bhaskar Sharma, HansaPrakashan, Jaipur
- KundaliDarpan – NarayandattShrimali, Manoj Pocket Books, New Delhi

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–द्वितीय

ऐच्छिक पत्र **(SKILL ENHANCEMENT COURSE)**

MJVB203SE : **Choose any Course from MOOC's related to Skill Enhancement**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

Note - Students can choose this course from MOOC's Portal related to Skill Enhancement .

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MPKT301MJ : शौरसेनी प्राकृत साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. आचार्य कुन्दकुन्द के जीवन–परिचय से अवगत होगा।
2. जीव–अजीव का ज्ञान होगा
3. पांच अस्तिकायों का परिचय होगा
4. नय के स्वरूप में विशेषतः निश्चय एवं व्यवहार नय का ज्ञान होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

समयसार (कुन्दकुन्दाचार्य विरचित)– जीवाजीवाधिकार, गाथा 1–34

इकाई–2:

समयसार (कुन्दकुन्दाचार्य विरचित)– जीवाजीवाधिकार, गाथा 35–68

इकाई–3:

पंचास्तिकाय (कुन्दकुन्दाचार्य विरचित)–गाथा 1–30

इकाई–4:

पंचास्तिकाय (कुन्दकुन्दाचार्य विरचित)–गाथा 31–60

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Suggested Books) :

1.समयसार–आ. कुन्दकुन्द, दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर, मेरठ (उ.प्र.), 1990

2. पंचास्तिकाय– आ. कुन्दकुन्द, श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, अगास, 1986

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MPKT302MJ : प्राकृत आचारपरक साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. षडावश्यक के स्वरूप को विस्तृत रूप से परिज्ञान हुआ।
2. मूलाचार ग्रंथ की विषयवस्तु से परिचित हुए।
3. आचार्य वट्टकेर के जीवन परिचय से अवगत हुए।
4. षडावश्यकों का आचारशास्त्रीय पक्ष का ज्ञान हुआ

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

मूलाचार–गाथा 502–550

इकाई–2:

मूलाचार–गाथा 551–600

इकाई–3:

आयारो–द्वितीय अध्ययन, सूत्र .....

इकाई–4:

आयारो–द्वितीय अध्ययन, सूत्र .....

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) .....

1. मूलाचार– आ. वट्टकेर स्वामी, खण्ड 1–2, सं. कैलाश चन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1992

2. आयारो–सं. आ. महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं

3. आचारांग भाष्य –सं. आ. महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं

4. अंगसूत्ताणि–सं. आ. महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं

5. आचारांगसूत्र–सं. आ. महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MPKT303MJ : प्राकृतागम व्याख्या साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. निर्युक्ति व्याख्यासाहित्य के इतिहास की जानकारी हुई
2. भाष्य व्याख्यासाहित्य का इतिहास के इतिहास की जानकारी हुई
3. चूर्णि व्याख्या साहित्य के इतिहास की जानकारी हुई
4. टीका या वृत्ति और टब्बा व्याख्या साहित्य के इतिहास की जानकारी हुई

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: निर्युक्ति व्याख्यासाहित्य का इतिहास (निर्युक्तियां एवं निर्युक्तिकार– आवश्यकनिर्युक्ति, दशवैकालिकनिर्युक्ति, उत्तराध्ययननिर्युक्ति, आचारांगनिर्युक्ति, सूत्रकृतांगनिर्युक्ति, दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति, बृहत्कल्पनिर्युक्ति, व्यवहारनिर्युक्ति, अन्य निर्युक्तियां)

इकाई–2: भाष्य व्याख्यासाहित्य का इतिहास (भाष्य एवं भाष्यकार– विशेषावश्यकभाष्य, जीतकल्पभाष्य, बृहत्कल्प–लघुभाष्य, ओघनिर्युक्ति–बृहद्भाष्य, पिण्डनिर्युक्ति–भाष्य, पंचकल्प–महाभाष्य, बृहत्कल्प–बृहद्भाष्य)

इकाई–3: चूर्णि व्याख्यासाहित्य का इतिहास (चूर्णियाँ और चूर्णिकार– नन्दीचूर्णि, अनुयोगद्वारचूर्णि, आवश्यकचूर्णि, दशवैकालिकचूर्णि, उत्तराध्ययनचूर्णि, आचारांगचूर्णि, सूत्रकृतांगचूर्णि, जीतकल्प–बृहच्चूर्णि, दर्शवैकालिकचूर्णि, निशीथ–विशेषचूर्णि, दशाश्रुतस्कंधचूर्णि, बृहत्कल्पचूर्णि)

इकाई–4: टीका या वृत्ति और टब्बा व्याख्यासाहित्य का इतिहास (टीकाएँ और टीकाकार– जिनभद्रकृत विशेषावश्यकभाष्य–स्वोपज्ञवृत्ति, हरिभद्रकृत वृत्तियाँ, कोट्याचार्यकृत विशेषावश्यकभाष्य–विवरण, गंन्धहस्तिकृत शस्त्रपरिज्ञा–विवरण, शीलांकृत विवरण, शांतिसूरिकृत उत्तराध्ययनटीका, द्रोणसूरिकृत ओघनिर्युक्ति–वृत्ति, अभयदेवविहित वृत्तियाँ, मलयगिरिविहित वृत्तियाँ, हेमचंद्रकृत टीकाएँ, नेमिचंद्रविहित उत्तराध्ययन–वृत्ति, श्रीचंद्रसूरिविहित व्याख्याएँ, अन्य टीकाएँ)

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास– डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1961
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी, 2014

Multi- disciplinary (Any One)

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय

ऐच्छिक पत्र **(MULTI- DISCIPLINARY COURSE)**

MJVB301MD : **Preksha Meditation and Self Management**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Students understand historical development of Preksha Meditation.
2. Students understand the components, spiritual-scientific basis, objectives and benefits of Preksha Meditation.
3. Students introduce the practical & process of Preksha Meditation.

. **Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)**

Unit-I Preksha Meditation - I

Preksha Meditation: nature, *upsampada*, main, supportive and specific components.
Kayotsarga (Relaxation with self awareness): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.
Internal Trip (*Antaryatra*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IIPreksha Meditation – II

Perception of Breathing: objectives, spiritual and scientific basis, types and benefits.
Perception of Body: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IIIPreksha Meditation - III

Perception of Psychic Centres: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.
Psychic Colour Mediation (*LeshyaDhyan*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.
Contemplation (*Anupreksha*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IV Self Management through Preksha Meditation

Personality development and Preksha Meditation.
Health management and Preksha Meditation.
Stress Management and Preksha Meditation.
Memory and Preksha Meditation.
Time management and Preksha Meditation.
Emotional management and Preksha Meditation.

SUGGESTED READING

1 प्रेक्षापुष्प–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 2003।
2 अपनादर्पणअपनाबिम्ब– युवाचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, 1991।
3 प्रेक्षाध्यान : सिद्धातऔरप्रयोग–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।
4 प्रेक्षाध्यान : व्यक्तिवविकास–मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।
5 जीवन विज्ञान की रूपरेखा–मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 1996।
6 जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग–संपा. समणी डॉ. मल्लीप्रज्ञा, जैनविश्वभारतीविश्वविद्यालय, 2009।
7 Mirror of the Self – AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1995.
8 PrekshaDhyana – Theory & Practice, AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1994.

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB302MD : Introduction of Sanskrit
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का ज्ञान होगा।
2. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
3. संस्कृतव्याकरण की मूल-अवधारणाओं (जैसे कि वर्णमाला, संज्ञा, सन्धि, समास आदि को) समझने में सक्षम होंगे।
4. अनुवाद और लेखनकौशल में अभिवृद्धि होगी।

पूर्णांक 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई-१

- संस्कृतवर्णमालापरिचय
  १. स्वरवर्ण
  २. व्यञ्जनवर्ण
- शब्दरूप(संज्ञात्मक)

शब्द	अकारान्त	आकारान्त	इकारान्त	ईकारान्त	उकारान्त	ऋकारान्त
पुलिङ्ग	राम, बालक	-	कवि, हरि, पति	-	गुरु	पितृ, दातृ
स्त्रीलिङ्ग	-	लता	मति	नदी	धेनु	मातृ
नपुंसकलिङ्ग	फल	-	वारि	-	वस्तु	-

शब्दरूप(हलन्त\व्यञ्जनान्त)

पुलिङ्ग	राजन्, आत्मन्, महत्, गच्छत्, ब्रह्मन्, विद्वस्
स्त्रीलिङ्ग	वाच्, सरित्, दिश्, परिषद्
नपुंसकलिङ्ग	जगत्, नामन्, मनस्, पयस्, कर्मन्

- सर्वनाम- अस्मद्, युष्मद्, तद्, यद्, एतद्, अदस्, भवत्, किम्, सर्व (तीनों लिङ्गों मे)।
- धातुरूप
  १. परस्मैपदीधातु- पठ्, भू, लिख्, अस्, गम्, खाद्, वद्, हस्, कृ, पा, दा, नी, ज्ञा।
  २. आत्मनेपदीधातु- लभ्, सेव्, भाष्, वन्द्, मुद्, क्षम्, रम्, कम्प्।

इकाई-२

- सन्धि
  १.स्वरसन्धि
  २. व्यञ्जनसन्धि

३. विसर्गसन्धि

- समास
  १. अव्ययीभावसमास
  २. तत्पुरुषसमास
  ३. कर्मधारायसमास
  ४. द्विगुसमास
  ५. बहुव्रीहिसमास
  ६. द्वन्द्वसमास

इकाई-३

- कारक
  १.कर्ता, २.कर्म, ३.करण, ४.सम्प्रदान, ५.अपादान, ६.सम्बन्ध, ७. अधिकरण
- वाच्य
  १.कर्तृवाच्य, २. कर्मवाच्य, ३. भाववाच्य
- प्रत्यय
  १. कृदन्त- क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्तिन्, ल्युट्, तव्य/तव्यत्, अनीयर्।
  २. तद्धित- मतुप्, वतुप्, अण्, घञ्, इन्, ठक्, तल्, ष्यञ्।
  ३. स्त्रीप्रत्यय- टाप्, ङीप्, ङीष्।
- अव्यय
  १.स्थानवाची- अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, कुत्र, यतः, ततः।
  २.समयवाची- यदा, तदा, कदा, सर्वदा, अद्य, ह्यः, श्वः, परश्वः।
  ३.समुच्चयवाची- च, अपि, एव
  ४. दिशावाची- अभितः, परितः, पुरतः, वामतः, दक्षिणतः।
  ५. निषेधवाची- मास्तु, अलम्, न।
  ६.सादृश्यवाची- इव, नु, वा, चित्।
- उपसर्ग- आ, उत्, अनु, प्र, प्रति, अव, उप, सम, अप।
- विशेष्य-विशेषणसम्बन्ध
- संस्कृत अनुवाद(हिन्दी से संस्कृत में)

इकाई-४ (संस्कृतसाहित्य का आलोचनात्मक इतिहास)

1. संस्कृतसहित्य का उद्भव और विकास
2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का अध्ययन
   १. गद्यकाव्य
   २. पद्यकाव्य
   ३. चम्पूकाव्य
   ४. नाटक

3. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय

१. कालिदास
२. भारवी
३. श्रीहर्ष
४. भवभूति
५. भास
६. शूद्रक
७. बाणभट्ट

सहायक ग्रन्थसूची :

१. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, २०२४.

२. बृहत् अनुवाद-चन्द्रिका, चक्रधर नौटीयाल "हंस" शास्त्री, मोतीलाल वनारसीदास, वाराणसी,१९६२.

३. सुगम संस्कृत व्याकरण, राकेश शास्त्री-प्रतिमा शास्त्री, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, १९९७.

४. व्याकरणसौरमम्, कमल कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, २००२.

५. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा(ऋषि), चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, २०१७.

६. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डा. कपिलदेव द्विवेदी, उत्तरप्रदेश संस्कृत अकादमी, लखनऊ, १९९३.

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB303MD : Introduction to Prakrit
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. समणसुत्तं में वर्णित नीतिपरक सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।
2. उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णित विनय का स्वरूप का ज्ञान होगा।
3. प्राकृत भाषा का समान्य परिचय होगा।
4. प्राकृत साहित्य की समान्य जानकारी होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–प्रथम : समणसुत्तं – प्रथम 1–25 गाथा

इकाई– द्वितीय : उत्तराययन सूत्र – अध्ययन 1 (गाथा 01–25)

इकाई–तृतीय : प्राकृत भाषा का सामान्य परिचय एवं अनुवाद रचना

प्राकृत की उत्पत्ति एवं विकास, प्रमुख प्राकृतों का समान्य परिचय, भेद एवं उनकी सामान्य विशेषताएँ (मागधी, अर्द्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री एवं अपभ्रंश)

प्राकृत स्वयं शिक्षक के प्रथम 25 पाठों के आधार पर अभ्यास एवं अनुवाद रचना

इकाई–चतुर्थ : प्राकृत साहित्य का इतिहास

श्वेताम्बर एवं दिगम्बर आगम साहित्य, प्राकृत काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य, ऐतिहासिक काव्य) कथा एवं चरित साहित्य, प्राकृत गद्य एवं चम्पू साहित्य, प्राकृत सट्टक एवं प्राकृत व्याकरण साहित्य।

संदर्भग्रंथ :

1. उत्तरज्झयणाणि–हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या सहित, संपादक–आचार्यश्री महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नेमिचन्द शास्त्री, तारा प्रकाशन, वाराणसी
3. प्राकृत साहित्य का इतिहास, डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4- Introduction to Prakrit, A.C. Woolner
5- History of Prakrit Literature, Hardev Bahari
6- समणसुत्तं – सम्पपदक आचार्य विनोबा भावे, दिल्ली
7- प्राकृत स्वयं शिक्षक – प्रो. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय

ऐच्छिक पत्र **(INTER DISCIPLINARY COURSE)**

MJVB304MD : **The Uses of English**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Students learned Basic Sentence Patterns and Transformation
2- Students learned Time, Tense and Concord
3- Students learned Voice, Narration and Modal Auxiliaries
4. Students learned Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit I: Basic Sentence Patterns and Transformation.

Unit II: Time, Tense and Concord.

Unit III: Voice, Narration and Modal Auxiliaries.

Unit IV: Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

SUGGESTED READING

- Green, David. ***Contemporary English Grammar Structure and Composition***.Laxmi Publications; Second edition (2015)
- Hornby, A.S.***A guide to Patterns and Uses*.** Oxford University Press, New Delhi.
- Swan, Michael**. *Practical English Grammar*.**Oxford University Press, New Delhi.
- Harit, S.K.***Communication Skills and English Grammar*.**Associated Book Company, Jodhpur.
- Krishnaswamy, N.***Modern English: A Book of Grammar, Usage and Composition*.** Laxmi Publications.

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB305MD : Non-violence and Peace
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Students learned about Violence: Concept, types, impact
2- Students learned aboutConflict – Cause, Forms, Impact
3- Students learned about Human Nature Relationship
4- Students learned about World Peace

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit- I **Violence: Concept, types, impact**

Non-violence- Philosophical and Historical Interpretation,

Applied aspect, Training in Non-violence

Unit-II **Conflict – Cause, Forms, Impact**

Conflict Resolution-Diplomatic, Gandhian and

Anekantik Techniques.

Unit-III **Human Nature Relationship**

EnvironmentalProblems.

Ethical Aspects.

Unit – IV **World Peace**

Threat to Global Peace

Initiative For Peace Making

SUGGESTED READING

- विश्वशांति एवंअहिंसाप्रशिक्षण–प्रो. बच्छराजदूगड़,
- गांधीदर्शन, शांति एवंमानवाधिकार, डॉ. अनिलधर, जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूँ
- पर्यावरण अध्ययन, डॉ. सतिन्द्र सिंह
- Anekant the Third Eye, AcharyaMahapragya.
- Towards a Nonviolent Future, S.L. Gandhi(Ed.), Anuvibha, Jaipur, 2015
- Peace Studies, The Discipline and Dimensions AshuPasricha, 2003

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB306MD **Introduction of Political Science**
क्रेडिट–4

Outcomes:-

1. Devlop Knowledge about meaning and nature of Political Theories.
2.Students Understand Various Approaches of Political Theory.
3. Students Understand About Various Types of Government.
4. Students Understand Contemporary various dimensions of Political Theory.
5. Students Understand About Various Concept of Political Theory.

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit-1 Concept of Political Theory, Rights and its various types, Concept of Power-sources, types and Characteristics, Concept of Authority-sources, types and Characteristic, Concept of Legitimacy, sources, and Characteristic

Unit-2 Concept of Citizenship & Indian Citizenship, Concept of Liberty, Equality and Justice.

Unit-3 Political Modernization, Political Development, Political Decay, Political Culture, Democracy & Dictatorship

Unit-4 Concept of State, Politics, Parties, Coalition Government, Politics of Reservation.

Reference Books:

1. Modern Political Theory: S.P Verma
2. Contemporary Political Theory: J.C Johari
3. Aadhunik Rajnitik Sidhhant: S.L Verma
4. Rajniti Shastra ke Mul Sidhhant: B.R Purohit
5. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: B.L Fadia
6. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: Pukhraj Jain

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB307MD : Introduction to Jainism
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Students learned about Jain History
2- Students learned about Jain Metaphysics
3- Students learned about Jain Principal
4. Students learned about Jain Ethics & Yoga

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit I: Jain History

1. Antiquity of Jainism (*Riabha and Mahavira*)
2. Jain religious Schools, Orders, and Sects
3. Jain Festival
4. Jain Literature

Unit II: Jain Metaphysics

1. Concept of Reality
2. Cosmology: Jain Perspective
3. The Nine Truths of Classical Jainism
4. Salvation and way of it

Unit III: Jain Principal

1. Anekantvada
2. Syadvada
3. Karmavada

Unit IV: Jain Ethics & Yoga

1. Jain Life Style : Based on Ahimsa on Aparigraha
2. Jain view of Environment
3. Jain Yoga

SUGGESTED READING

- AcharyaMahaprajna, ***Jain DarshanMananAurMimansa***, AdarshSahityaSangh, Churu, 1977, (p. 1-84)
- Shastri, Kailashchandra, ***Jain Dharm***, BharatvarshiyaDigamber Jain Sangh, Mathura, UP, 1985. (Chap. – 1, 4, 5, 6 and the part of Chap. 7 – p. 337 – 365)
- Jain, Jyoti Prasad, **Religion and Culture of the Jains**, BharatiyaGyanpeeth, 1999 (Chap. – 1 to 3 and 7 to 9)

- Bhaskar, Bhagchand Jain, ***Jain Dharma kaMaulikItihas*** SamyakgyanPracharakMandal, Jaipur. Vol 1 & 2.
- ShastriNemichandra, ***TirthankaraMahaveer aura UnkiAcharyaParampara***, Vol.-I., PrachyaShramanaBharati, Mujaffar Nagar, U.P.
- SamaniRijuPrajna, ***Jain ItihasaurSanskriti***,Jain VishvaBharati Institute, Ladnun
- SamaniRijuPrajna, ***Jain Tattvamimansa aura AcharaMimansa***, Jain VishvaBharati Institute, Ladnun.

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य पत्र (CORE COURSE)
MJVB301RP : शोध–प्रविधि
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1- शोध का परिचय एवं प्रकार का परिचय प्राप्त हुआ
2- शोध–समस्या, परिकल्पना एवं शोध–क्षेत्र का परिचय प्राप्त हुआ
3- शोध–विधियों की जानकारी प्राप्त हुई
4- पाद–टिप्पण, संदर्भ ग्रन्थ सूची एवं परिशिष्ट निर्माण की विधि का ज्ञान हुआ

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

शोध : स्वरूप–परिचय, (Introduction : Research),

वर्णनात्मक शोध (Descriptive Research),

शोध के प्रकार (Types of Research),

ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भाषात्मक, सामाजिक, प्रविधिपरक एवं कार्यपरक शोध (Historical, Comperative, Linguistic, Social, Methodological and Action Research),

इकाई–2:

शोध–समस्या का चयन (Selection of Research Problem),

परिकल्पना (Hypothesis),

शोध–क्षेत्र (Area of Research),

शोध रूपरेखा (Synopsis)

इकाई–3:

शोधविधियां (Methods of Research), वैज्ञानिक विधि (Scientific Method)

निरीक्षणात्मक विधि (Observation Method), साक्षात्कार विधि (Interview Method)

प्रश्नपरक विधि (Questionnaire Method)

इकाई–4:

वैयक्तिक व एकल अध्ययन (Case Study), प्रतिदर्श–प्रतिचयन (Sampling),

सामग्री या आंकड़ों का संग्रहण व निरीक्षण (Collection & Analysis of Data etc.),

पादटिप्पण (Foot Notes), डाइक्रिटिकल मार्क (Diacritical Marks),

उपसंहार (Conclusion), सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Bibliography), परिशिष्ट निर्माण (Appendix),

संदर्भ ग्रंथ–

1- Methods in Social Research, William Goode, Paul K. Hatt, McGraw Hill Book Company, 1974.

2. अनुसंधान विधियां (व्यवहारक विज्ञानों में), डॉ. एच.के कपिल, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2015।

3. अनुसंधान विधियां, डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव, साहित्य प्रकाशन, आगरा, 2010

4- Research Methodology, Gopal Lal Jain, Mangal Deep Publication, Jaipur, 2003.

5- Scientific Social Sureys and Research, Pauline V. Young, Prentice Hall of India Private Limited, New Delhi, 1939.

प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (SUBJECT MAJOR COURSE)
MPKT401MJ : प्राकृत चरित एवं काव्य साहित्य
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. सेतुबन्ध के परिचय के प्रथम अश्वास की जानकारी हुई
2. वज्जालग्गं के परिचय के साथ ही वज्जाओं की जानकारी हुई
3. पउमचरियं के परिचय के साथ द्वितीय उद्देशक की जानकारी हुई
4. गउडवहो के परिचय के साथ प्रारम्भिक गाथा 1–68 की विषय–वस्तु की जानकारी हुई

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

सेतुबन्ध (प्रवरसेनविरचित)– प्रथम आश्वास

इकाई–2:

वज्जालग्गं–प्रथम चार वज्जाएं (सोयार, गाहा, कव्व, सज्जण)

इकाई–3:

पउमचरियं (द्वितीय उद्देश)

इकाई–4:

गउडवहो (गाथा–1–68)

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. सेतुबन्ध–प्रवरसेन, राय अश्विनी कुमार एवं डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, श्रीनाथ पब्लिकेशन, आरा, 1996

2. वज्जालग्गं, संस्कृत टीका, रत्नदेव, अनु. एम.वी. पटवर्द्धन, पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी, 1984

3. पउमचरियं–भा. 1, 2 विमलसूरिकृत, प्राकृत टैक्स सोसायटी, वाराणसी, अहमदाबाद, 1962, 1968

4. गउडवहो (वाक्पतिराजकृत) – हिन्दी अनुवाद संहित, संपादक डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र, वाणी वाटिका प्रकाशन, कदम कुआं, पटना

Research
Core Elective (Any One)
प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ
ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)
MJVB401RP : Review of Literature
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Decipher the concept, source and types of literature.
2. Development of research writing skills.
3. Understand the concept of seminar and workshop.
4. Development of understanding method of reviewing literature.

Total Marks 100 (Departmental Presentation 50 Marks + CIA 15 Marks +Theory 35 Marks)

Theory (2 Credits)

UNIT-I Review of Literature

a) Meaning, Nature of Literature Review
b) Significance of Literature Review
c) Principles of Literature Review
d) Identification of Research gaps through Literature Review

UNIT II Sources of Literature

Sources of Literature:

a) Primary
b) Secondary
c) Tertiary

Practical (2 Credits)

Collection of Review of Literature on concerned subject (minimum 15 including books, journals, digital sources and encyclopedias)

Work Cited :

Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.

Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.

Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.

McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.

Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America

Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

अथवा

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)

MJVB402RP : Formulation of Research Proposal

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Develop the research design
2. Understand various research steps
3. Explain the various research methods and techniques

Total Marks 100 (Proposal Formulation 50 Marks + CIA+ Theory 15+35=50)

Theory (2 Credits)

UNIT-1: Research Design Quantitative-I

a) Selection of research problem
b) Review of related literature
c) Objectives of research
d) Formation of hypothesis

UNIT-2: Research Design Quantitative-II

a) Procedure of Data collection, classification and tabulation
b) Variables
c) References - Footnote, Bibliograpy

Work Cited:

Anderson, R.I., and T.A. Banerot (1952), Statistical Theory of Research, New York, McGraw Hill Book Company.

Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.

Garrett, H.E. (1966), Statistical in Psychology and Education, VokelsFeffers and Simons Ltd., Bombay

Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.

Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

Kerlinger, Fredan N. (1964), Foundations of Behavioral Research, Holt Rinhert and Winston, New Yourk

Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.

McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.

Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America

Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

Sharma, R.A. (1993), Fundamental of Educational Research, International Publishing House, Meerut,

गुप्ता एस.पी. (2011), अनुसंधानसंदर्शिका, सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवंप्रविधि, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद।

यादव, राकेशचन्द (2009), राजर्षिपुरूषोत्तमदासदण्डन के शैक्षिकविचार, प्रथमसंस्करण, उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

कौल, लौकेश, (2009), शैक्षिकअनुसंधान की कार्यप्रणाली, तृतीय पुर्नमुद्रण, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली।

गुप्ता एस.पी. एवंअलकागुप्ता (2008), व्यवहारपरकविज्ञानोंमेंसांक्ष्यिकी विधियां, चतुर्थसंस्करण, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद।

पाण्डेय, के.पी. (2008), शैक्षिकअनुसंधान, तृतीय संस्करण, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

राय, पासरनाथ (2007), अनुसंधानपरिचय, द्वादशमसंस्करण, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।

गैरिट, हेनरीई. (1989), शिक्षाऔरमनोविज्ञानमेंसांख्यिकीय, ग्यारहवांहिन्दीसंस्करण, कल्याणीपब्लिशर्स, लुधियाना।

सिन्हा, एच. सी. (1979), शैक्षिकअनुसंधान, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली।

Research

Core Elective (Any One)

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र **(ELECTIVE COURSE)**

MJVB403RP : Publication of Article in Refereed Journal

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Develop the research Knowledge
2- Understand Subjects Knowledge
3- Develop writing Skill

Total Marks 100 (Publication of Paper 70 + CIA 30)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

- Two research articles should be published in two different ISSN based research magazine.

अथवा

प्राकृत

एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र **(ELECTIVE COURSE)**

MJVB404RP : **Paper Presentation in National/International Seminar/Conference**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Deeper understanding of the Subject Matter
2- Increased Confidence Level
3- Enhance Communication skills
4- Improved Research and Analytical Skills

Total Marks 100 (Paper Presentation 70 + CIA 30)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

- Participation and presentation of two papers in national level seminars/conferences.

Research
(Core Compulsory)
प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MJVB405RP : **Dissertation**
क्रेडिट–4 (Dissertation Writing)

उपलब्धियां (Course Outcome)

2. विद्यार्थी शोध विधियों से परिचित हुआ।
3. विषय का गम्भीर ज्ञान प्राप्त हुआ।
4. लघुशोध प्रबन्ध के माध्यम से नये तथ्यों को उजागर किया गया।
5. भविष्य में की जाने वाली शोध का पृष्ठभूमि तैयार हुई।

Total Marks 100 (Preparation of Dissertation – 70 + CIA 30)

Research
(Core Compulsory)
प्राकृत
एम.ए. सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MJVB406RP : **Presentation and Viva-voce**
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी का आत्मविश्वास बढता है।
2. विद्यार्थी प्रस्तुति में सक्षम होता हैं।
3. विषय विशेषज्ञ के सामने जवाब देने की योग्यता प्राप्त होती है।
4. भविष्य में की जाने वाली शोध का पृष्ठभूमि तैयार हुई।

Total Marks 100 (Presentation 30 Viva Voice – 40 + CIA 30)